महिला सशक्तिकरण अनुभव की वस्तु है – श्रीमती छींपा

(अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजना)

उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय, गांधी विद्या मन्दिर, में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती रीना छींपा, उपखण्ड अधिकारी, सरदारशहर एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. कीर्ति राहुल, व्याख्याता आयुष विभाग थे। अतिथि परिचय डॉ. सरिता शर्मा, रीडर, सीटीई ने दिया। मुख्य अतिथि श्रीमती रीना छींपा ने अपनी आज की ही वास्तविक घटना से अपनी संबोधन प्रारम्भ करते हुए घटना के माध्यम से महिलाओं की वर्तमान स्थिति को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया महिला सशक्त तो है इसे अनुभव करने की आवश्यकता है। महिला पुरूष की तुलना करना सशक्तिकरण नहीं है। दोनों की अपनी विशेषताएँ है जो उन्हें महिला व पुरूष बनाती है। अतिरिक्त स्वतंत्रता, स्वच्छन्दता सशक्तिकरण नहीं है। अपने कार्यक्षेत्र में सशक्त होना आवश्यक है। अपने लक्ष्य को पहचानों और प्रत्येक भूमिका का निर्वाह करते हुए सशक्त बना जा सकता है। महिला शोषण के मामले में वृद्धि देखने में आ रही है महिलाओं को स्वयं को सुरक्षित रखना भी अत्यंत आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि, डॉ. कीर्ति राहुल ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि महिला दिवस के दिन हमें महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना चाहिए, जिससे असमानता को दूर किया जा सके। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महिलाओं को जागरूक करना आवश्यक है। प्रो. देवेन्द्र मोहन, कुलपति, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) ने अपने उद्‌बोधन में कहा 13 मार्च सरोजिनी नायडू के जन्मदिन के रूप में भारत में महिला दिवस मनाया जाता था। प्रत्येक शुरूआत हमारे घर से ही होनी चाहिए। हम अपने घर में महिलाओं, बालिकाओं का ध्यान रखें उन्हे शिक्षित करें। प्रो. मनीषा वर्मा, अधिष्ठाता, शिक्षा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अल्पना शर्मा, सहायक आचार्य ने किया, संचालन डॉ. कंचन शर्मा, व्याख्याता, सीटीई ने किया। कार्यक्रम में शिक्षा संकाय के समस्त विभागाध्यक्ष प्राध्यापकगण एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

प्राचार्य